एक नजर में

22 को जिला स्तरीय रोजगार मेला

गुना। शा.आईटीआई राघोगढ़ में 22 जुलाई को प्रात: 11:00 बजे से 'युवा संगम' कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम एवं कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के निर्देशन तथा कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल और जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे के मार्गदर्शन में इस मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आकांक्षी युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर एक ही मंच पर उपलब्ध कराना है। मेले के नोडल व जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इस कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और शासकीय आईटीआई राघोगढ़ के समन्वय से निजी क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित कंपनियां साक्षात्कार के माध्यम से युवाओं का चयन करेंगी। इस रोजगार मेले में 8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक और आईटीआई उत्तीर्ण ऐसे बेरोजगार युवा भाग ले सकते हैं जिनकी आयु 18 से 35 वर्ष के बीच है।

गुना पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

गुना। नशामुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए पुलिस मुख्यालय भोपाल के निदेर्शानुसार 15 से 30 जुलाई तक राज्यव्यापी विशेष अभियान 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के दिशा-निर्देशन में अभियान के पांचवें दिन रविवार को जिलेभर में व्यापक जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

अभियान के तहत एसडीओपी गुना विवेक अष्ठाना ने बमोरी थाना क्षेत्र के ग्राम लपचौरा और भूराचक में ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उन्हें नशे से दूर रहने की अपील की।

गुना में भीषण सड़क हादसा, तीन की मौके पर मौत

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार पति-पत्नी और 3 वर्षीय मासूम की मौत

नवभारत न्यूज

गुना 19 जुलाई का। गुना जिले में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। म्याना से गुना के बीच नेशनल हाईवे पर रविवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में पति, पत्नी और उनका तीन साल का मासूम बच्चा शामिल है। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर गाड़ी को जब्त कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुना के पास ग्राम पिपरौदा निवासी मनोज कुशवाह (उम्र लगभग 28 वर्ष) पुत्र खेम सिंह, अपनी पत्नी मालती (25 वर्ष) और 3 साल के इकलौते बेटे कार्तिक के साथ ग्राम भदौरा स्थित अपनी ससुराल गए हुए थे। रविवार को पूरा परिवार अपनी बाइक से वापस अपने घर पिपरौदा लौट रहा था। जैसे ही उनकी बाइक भदौरा के पास नेशनल हाईवे पर पहुंची, तभी पीछे से आ रही एक अनियंत्रित और बेहद तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों सड़क पर दूर जा गिरे। सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आने के कारण मनोज, मालती और मासूम कार्तिक ने मौके पर ही तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया।

म्याना से गुना का नेशनल हाईवे बना मौत का हाईवे

हादसे ने एक बार फिर नेशनल हाईवे की सुरक्षा और वाहनों की अनियंत्रित गति पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि म्याना से गुना के बीच का यह नेशनल हाईवे अब धीरे-धीरे 'मौत का हाईवे' बनता जा रहा है। इस रूट पर आए दिन भीषण सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिनमें कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। हाईवे पर न तो रफ्तार पर अंकुश लगाने के लिए पुख्ता इंतजाम हैं और ना ही यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। तेज रफ्तार भारी वाहन और कारें अक्सर इस मार्ग पर काल बनकर दौड़ती हैं, जिसके चलते आए दिन ऐसे दर्दनाक हादसे सामने आ रहे हैं। ग्रामीणों ने ब्लैक स्पॉट और हाईवे पर गति सीमा तय करने व सख्त चेकिंग की मांग की है।

आरोपी कार चालक गिरफ्तार, जांच में जुटी पुलिस

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, दुर्घटना को अंजाम देने वाली कार इंदौर पासिंग की बताई जा रही है। हादसे के तुरंत बाद कार चालक ने मौके से भागने का प्रयास किया था, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए हाईवे पर घेराबंदी की और आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को भी जब्त कर लिया है। मृतक मनोज कुशवाह पेशे से सब्जी बेचने का काम करता था। वह दिन-रात मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर शवों का पोस्टमार्टम कराया है और शव परिजनों को सौंप दिए हैं। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और आरोपी चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पगारा रेलवे स्टेशन के पीछे झाड़ियों में मिला युवक का शव

गुना। पगारा रेलवे स्टेशन के पीछे झाड़ियों में शनिवार को एक युवक का शव बेल्ट के फंदे पर लटका हुआ मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर जीआरपी ने कैंट पुलिस को मामले की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। शुरूआती तफ्तीश में यह मामला बीते दिनों मावन के पास नारकोटिक्स टीम द्वारा डोडा चूरा तस्करों के खिलाफ की गई बड़ी कार्रवाई और सड़क हादसे से जुड़ा हुआ सामने आ रहा है। मृतक की पहचान असलम खान निवासी रामगंज मंडी राजस्थान के रूप में हुई है, जो गत 13 जुलाई से अपने घर से निकला था। बताया जा रहा है कि नारकोटिक्स टीम की कार्रवाई के दौरान मादक पदार्थों से भरे ट्रक के साथ चल रही कार को असलम ही चला रहा था। इसी कार ने मावन के पास एक बाइक सवार दंपत्ति को रौंद दिया था, जिसके बाद से वह लापता था। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतक असलम के परिजन गुना जिला अस्पताल पहुंचे। असलम के भाई मोहम्मद अशरफ ने तस्करों से किसी भी तरह के संबंध से साफ इनकार किया है। अशरफ का दावा है कि असलम गाड़ियों की खरीद-बिक्री का काम करता था। हालांकि, परिजनों ने एक नया मोड़ देते हुए बताया कि असलम का किसी व्यक्ति के साथ पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था और उसे लगातार धमकियां मिल रही थीं। भाई अशरफ ने आशंका जताई है कि असलम के साथ पहले बेरहमी से मारपीट की गई और बाद में उसकी हत्या कर शव को फंदे पर लटका दिया गया। पीएम रिपोर्ट से मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

जिला अस्पताल में पसरा मातम, परिजनों का विलाप देख रो पड़ा हर कोई

दुर्घटना के बाद हाईवे पर चीख-पुकार मच गई और राहगीरों व स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर तुरंत गुना जिला अस्पताल भिजवाया। जैसे ही यह दुखद खबर मृतकों के गांव पिपरौदा और ससुराल भदौरा पहुंची, दोनों गांवों में सन्नाटा पसर गया। देखते ही देखते जिला अस्पताल के मचुर्री हाउस के बाहर भारी संख्या में ग्रामीणों और परिजनों की भीड़ जमा हो गई। अस्पताल परिसर में जब मृतकों के परिजनों का करुण विलाप शुरू हुआ, तो वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। माता-पिता और भाई-बहनों का रो-रोकर बुरा हाल था। तीन साल के मासूम कार्तिक के शव को देखकर अस्पताल का स्टाफ और वहां मौजूद अन्य लोग भी अपने आंसू नहीं रोक पाए। एक हंसता-खेलता परिवार इस तरह पल भर में उजड़ जाएगा, इसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी।

गर्भवती महिला पर हमले के मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

गुना। गुना केंट थाना पुलिस ने एक गर्भवती महिला के साथ मारपीट कर उसके गर्भ में पल रहे जुड़वा शिशुओं की मृत्यु के गंभीर मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के नेतृत्व, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन एवं प्रभारी सीएसपी गुना आनंद राय के पर्यवेक्षण में केंट थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव और उनकी टीम को यह सफलता मिली है।

किशनगढ़ निवासी बाबूलाल लोधा ने 02 जुलाई 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि जमीनी विवाद को लेकर सोनू लोधा, कैलाश लोधा और बद्रीलाल लोधा ने उनके परिवार के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। आरोपियों ने बहू के गर्भवती होने की जानकारी के बावजूद उसके पेट पर लात मारकर गंभीर चोट पहुंचाई, जिससे उपचार के दौरान पीड़िता राजकुमारी बाई लोधा के गर्भ में पल रहे जुड़वा शिशुओं की मृत्यु हो गई। पुलिस ने शुरूआत में विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया था, लेकिन इस गंभीर तथ्य के सामने आने पर प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 92 बढ़ाई गई। पुलिस टीम ने सरगर्मी से तलाश कर मुख्य आरोपी बद्री उर्फ बद्रीलाल लोधा (38) को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है, जबकि शेष फरार आरोपियों की तलाश जारी है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी अनूप कुमार भार्गव, मिट्ठूलाल बिसोरिया, लखन किरार, लक्ष्मीनारायण यादव, रवि ओझा, महेन्द्र वर्मा, अंशुल रघुवंशी और सुनील शिवहरे की विशेष भूमिका रही।

छात्राओं और बच्चों पर बढ़ते उत्पीड़न के खिलाफ जिला स्तरीय सम्मेलन

गुना। शिक्षण संस्थानों और समाज में छात्राओं व बच्चों के खिलाफ बढ़ती यौन हिंसा व उत्पीड़न की घटनाओं के विरोध में ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन जिला काउंसिल द्वारा रविवार को श्रीराम कॉलोनी स्थित मैरिज गार्डन में एक जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य प्रस्ताव पारित करते हुए वक्ताओं ने बताया कि मध्य प्रदेश में महिला और बाल अपराधों के आंकड़े बेहद चिंताजनक हैं। गुना जिले में भी हाल ही में नाबालिगों के साथ हुई दुष्कर्म की घटनाओं ने गुरु-शिष्य परंपरा और मानवता को शर्मसार किया है। सम्मेलन में एडवोकेट ज्योति चौहान ने कहा कि कड़े कानून होने के बावजूद अपराधियों को समय पर उदाहरणमूलक सजा न मिलना ही उनके बढ़ते हौसलों का मुख्य कारण है। इसके अलावा, समाज में बढ़ती अश्लीलता, नशाखोरी और मोबाइल पर परोसे जा रहे अपसंस्कृतिक कंटेंट के चलते युवाओं का नैतिक स्तर गिर रहा है। आगामी 24 जुलाई को हैदराबाद में होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन से पहले देश भर में इस तरह के जिला स्तरीय आयोजन किए जा रहे हैं। रक्षा मीना के संचालन में हुए इस कार्यक्रम में नव्या यादव, सारा खान, सना और रश्मि ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर संगठन ने सरकार से चार प्रमुख मांगें कीं, जिनमें शिक्षण संस्थानों के बाहर 'निर्भया बल' तैनात करने, हर स्कूल-कॉलेज में 'जन सुरक्षा समिति' का गठन करने, नशा व अश्लीलता पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और अपराधियों को कठोर सजा देने की मांग शामिल है।

सोनम वांगचुक की जबरन गिरफ्तारी के विरोध में युवाओं का प्रदर्शन

गुना। दिल्ली में अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद सोनम वांगचुक के साथ किए गए व्यवहार के विरोध में बेरोजगारी विरोधी आंदोलन के बैनर तले युवाओं और छात्रों ने गुना के शास्त्री पार्क पर प्रदर्शन किया। आंदोलनकारियों ने दिल्ली पुलिस द्वारा शांतिपूर्ण धरनास्थल से उन्हें जबरन हटाने और गिरफ्तार करने की कार्रवाई को पूरी तरह अलोकतांत्रिक बताते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलन के सदस्य मनोज रजक ने बताया कि नीट प्रश्न पत्र लीक मामले की जांच और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर पिछले 21 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे पर्यावरणविद सोनम वांगचुक को पुलिस ने बलपूर्वक हटाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया है। जंतर-मंतर से भी प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा जा रहा है, जो सरकार के निरंकुश और अलोकतांत्रिक रवैये को दशार्ता है। अर्जुन, सारा, शुभम राव और अमन किरार सहित अन्य वक्ताओं ने भी युवाओं को संबोधित किया।

प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख मांगें रखते हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को भंग करने, प्रश्न पत्र लीक पर रोक लगाने, रिक्त पड़े लाखों पदों पर स्थायी भर्ती करने और शांतिपूर्ण आंदोलनों पर पुलिसिया दमन बंद करने की मांग की है। इसके साथ ही पीड़ित छात्रों के परिवारों को मुआवजा देने और शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने की मांग उठाई गई है।

गुना पुलिस लाइन में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित, परिजनों को मिला परामर्श

गुना। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल की पहल पर महिला पुलिस बल और पुलिस परिवार की महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कल्याण के लिए रविवार को पुलिस लाइन गुना परिसर में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें समय पर उचित चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना था। शिविर में प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सतीश राजपूत ने महिला स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का परीक्षण किया और उपस्थित महिलाओं को उपचार संबंधी आवश्यक सुझाव दिए। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों और पुलिस परिवार की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। शिविर में महिलाओं को नियमित जांच, संतुलित आहार, स्वच्छ जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह सुमन, डीएसपी यातायात मुकेश कुमार दीक्षित, रक्षित निरीक्षक पूजा उपाध्याय, रक्षित निरीक्षक स्मृति दोहरे और कंट्रोल रूम प्रभारी निरीक्षक विकास उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने इस आयोजन को महिला पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के लिए बेहद उपयोगी और सराहनीय बताया।

जामनेर में स्टेशनरी दुकान से चोरी का 48 घंटे में खुलासा

गुना। जामनेर थाना पुलिस ने एक स्टेशनरी की दुकान से नगदी रुपए चोरी होने के मामले में तत्परता से कार्यवाही करते हुए मात्र 48 घंटे के भीतर घटना का सफल खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई नगद राशि भी बरामद कर ली है। यह सफलता पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के नेतृत्व, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन एवं डीएसपी मुख्यालय और प्रभारी एसडीओपी जमीलउद्दीन सिद्दकी के पर्यवेक्षण में जामनेर थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज मेहरा और उनकी टीम को मिली है। जामनेर निवासी फरियादी सौरभ जैन ने 17 जुलाई 2026 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 15 जुलाई 2026 को किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी स्टेशनरी की दुकान से 30 हजार रुपये नगद चोरी कर लिए हैं। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जामनेर पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के साथ ही तकनीकी संसाधनों और सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण कर अज्ञात आरोपी की पहचान सुनिश्चित की। 19 जुलाई 2026 को मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी सरवन मीना (32) निवासी ग्राम कान्हाखेड़ी (कुम्भराज) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के 9,500 रुपये बरामद कर लिए हैं, जबकि शेष राशि आरोपी ने खर्च करना स्वीकार किया है।

10 किलो गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गुना। कोतवाली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के नेतृत्व, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन एवं प्रभारी सीएसपी श्री आनंद राय के पर्यवेक्षण में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार शर्मा और उनकी टीम को यह सफलता मिली है। गत 18 जुलाई 2026 की रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन माल गोदाम के पास दो व्यक्ति थैलों में गांजा लेकर बेचने की फिराक में खड़े हैं। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को धर दबोचा। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम वरुण शर्मा (27) निवासी केंट गुना और राहुल प्रजापति (21) निवासी बारां (राजस्थान) बताए। तलाशी लेने पर उनके थैलों से कुल 10 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये है। पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि वे यह मादक पदार्थ राजस्थान के बारां निवासी इरफान रईन से लेकर आए थे और एक संगठित गिरोह के रूप में काम कर रहे थे। तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और बीएनएस की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हर्षोल्लास इस्कॉन के तत्वावधान में उमड़ा जनसैलाब, हरे कृष्ण महामंत्र से गुंजायमान हुआ शहर

गुना में निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

गुना। शहर में रविवार को अंतरराष्ट्रीय इस्कॉन के तत्वावधान में तीसरी बार भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। उज्जैन से विशेष रूप से मंगवाए गए भव्य रथ पर विराजमान भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र के दर्शन करने तथा रथ खींचने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु सड़कों पर उमड़ पड़े।

यह ऐतिहासिक रथयात्रा दोपहर एक बजे गायत्री मंदिर के सामने से पूरे विधि-विधान और पूजा-अर्चना के बाद प्रारंभ हुई। यात्रा में सबसे आगे भगवान कृष्ण और राधा का सुंदर रथ चल रहा था, जिसके पीछे पारंपरिक बैलगाड़ियों पर सवार श्रद्धालु चल रहे थे। इस्कॉन के सदस्य और संकीर्तन मंडलियाँ 'हरे कृष्ण, हरे राम' महामंत्र का जाप और नृत्य करते हुए आगे बढ़ रहे थे, जिससे पूरा मार्ग भक्तिमय हो गया। मुख्य रथ को भक्तों द्वारा रस्सियों के सहारे बड़े ही श्रद्धाभाव से खींचा जा रहा था। गायत्री मंदिर से शुरू हुई यह यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों जैसे आंबेडकर चौराहा, जगदीश कॉलोनी, हाट रोड, निचला बाजार, सराफा बाजार, सुगन चौराहा, सदर बाजार, लक्ष्मीगंज और पुराना बस स्टैंड होते हुए जयस्तंभ चौराहा पहुंचेगी, जहां इसका भव्य समापन होगा। यात्रा मार्ग में जगह-जगह जनप्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने मंच लगाकर रथयात्रा का आत्मीय स्वागत किया और भगवान जगन्नाथ की महाआरती उतारी। रथयात्रा के संयोजक एवं इस्कॉन के जिला संयोजक ऋषभानंद दास ने इस धार्मिक आयोजन का महत्व बताते हुए कहा कि ब्रह्माण्डपुराण में वर्णित है कि रथ पर विराजमान भगवान जगन्नाथ के दर्शन मात्र से मनुष्य को इस मृत्युलोक में बार-बार जन्म लेने के चक्र से मुक्ति मिल जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि इस यात्रा का उज्जैन नगरी से बेहद विशेष और पौराणिक संबंध है, क्योंकि सतयुग में उज्जैन के राजा इंद्रद्युम्न को ही भगवान ने स्वप्न में दर्शन देकर इस विग्रह निर्माण की प्रेरणा दी थी।

निशान साहित्यिक मंच की कवि गोष्ठी संपन्न

गुना। निशान साहित्यिक मंच द्वारा एडवोकेट विनय जैन की अध्यक्षता उपस्थिति में कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजगढ़, शिवपुरी सहित स्थानीय रचनाकारों ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियाँ दीं। गोष्ठी की शुरूआत सोनाली ने 'ईश्वर अल्लाह तेरे जहां में नफरत क्यों है' गीत गाकर अमन के संदेश के साथ की। कवि राहुल कुंभकार ने अपनी पंक्तियों 'कौन कहता है कि मेरी माँ को अब दिखता नहीं, वो अभी भी टाँक देती है बटन टूटा हुआ' से सबको भावुक कर दिया। मनीष श्रीवास्तव ने जंग के खिलाफ शांति की बात की, तो सुनील शर्मा चीनी ने शायरी के सलीके पर शानदार काव्य पाठ किया। सत्येंद्र भारिल्ल ने इंसानियत और राजेश शर्मा इंजीनियर ने तीखे सवालों पर अपनी रचनाएँ रखीं।

मृगवास पुलिस ने अपहृत नाबालिग किशोरी दस्तयाब की

गुना। मृगवास थाना पुलिस ने एक नाबालिग किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म के गंभीर मामले में तत्परता दिखाते हुए मुख्य आरोपी को संरक्षण देने वाले फरार सह-आरोपी को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के नेतृत्व, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी चांचौड़ा मनोज कुमार झा के पर्यवेक्षण में की गई। मृगवास थाना क्षेत्र से मई 2026 में लापता हुई 17 वर्षीय किशोरी को पुलिस ने 08 जून 2026 को सुरक्षित दस्तयाब किया था। पीड़िता के बयानों के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी बबलू बंजारा निवासी विदिशा को 10 जून को ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जिसने किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म किया था। विवेचना के दौरान सामने आया कि मुख्य आरोपी को उसके मामा लाल सिंह बंजारा ने अपने घर में संरक्षण दिया था, जिस पर मामले में पॉक्सो एक्ट और बीएनएस की धाराएं बढ़ाई गईं। पुलिस ने सतत तलाश के बाद 18 जुलाई 2026 को फरार सह-आरोपी लाल सिंह बंजारा (30) निवासी विशनखेड़ा (आरोन) को भी गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है।